संस्कृति (culture)

संस्कृति शब्द का प्रयोग हम दिन-प्रतिदिन के जीवन में करते रहते है। साथ ही संस्कृति शब्द का प्रयोग भिन्न-भिन्न अर्थो में करते है। उदाहरण के लिए हमलोग सामान्य बोलचाल की भाषा में बोलते है कि अमुक व्यवहार हमलोगो की संस्कृति में नहीं होता है। यह तो पश्चिमी संस्कृति है। समाजशास्त्री अवधारणा के रूप में संस्कृति का तात्पर्य "सीखा हुआ व्यवहार" है। अर्थात कोई भी व्यक्ति बचपन से अब तक जो भी सीखता है। उदाहरणार्थ खाने-पीने का तरीका, बात करने का तरीका भाषा का ज्ञान, लिखना पढ़ना तथा अन्य योग्यताएँ यह संस्कृति है। मनुष्य के व्यवहार के कई पक्ष है। — (1) जैविक व्यवहार — जैसे- भूख, नींद, चलना-फिरना दौड़ना इत्यादि।

(2) मनोवैज्ञानिक व्यवहार — जैसे- सोचना, डरना, हँसना इत्यादि।

(3) सामाजिक व्यवहार। — जैसे - नमस्कार करना, पढ़ना-लिखना, बातें करना इत्यादि।

ब्रिटिश मानवशास्त्री एडवर्ड बर्नार्ड टायलर के द्वारा सन 1871 में प्रकाशित पुस्तक Primitive Culture में संस्कृति के संबंध में सर्वप्रथम उल्लेख किए है।

टायलर के अनुसार —

"संस्कृति वह जटिल समग्रता है जिसमें ज्ञान, विश्वास, कला, आचार, कानून, प्रथा और अन्य सभी क्षमताओं तथा आदतों का समावेश होता है जिन्हें मनुष्य समाज के नाते प्राप्त करता है।"

टायलर के अनुसार सामाजिक प्राणी होने के नाते व्यक्ति अपने पास जो कुछ भी रखता है तथा सीखता है वह

सब संस्कृति है।

राबर्ट बीरस्टीड के अनुसार :—

"संस्कृति वह जटिल सम्पूर्णता है जिसमें वे सभी वस्तुएं सम्मिलित है, जिस पर हम विचार करते है, कार्य करते है और समाज के सदस्य होने के नाते अपने पास रखते है।"

हर्सकोविट्स के शब्दों मे :—

"संस्कृति पर्यावरण का मानव निर्मित भाग है।"

इनके परिभाषा से स्पष्ट होता है कि पर्यावरण के दो भाग होते है। पहला प्राकृतिक और दूसरा सामाजिक। सामाजिक पर्यावरण में सारी भौतिक और अभौतिक चीजें आती है जिनका निर्माण मानव के द्वारा होता है। उदाहरण के लिए — कुर्सी, टेबल, कलम, रजिस्टर, धर्म, शिक्षा, ज्ञान नैतिकता आदि। इन्होंने इसी सामाजिक पर्यावरण, जो मानव द्वारा निर्मित है, को संस्कृति कहा है।

बोगार्डस के अनुसार :—

"किसी समूह के कार्य करने और विचार करने के सभी तरीकों को संस्कृति कहते है।"

मैलिनोवस्की :—

संस्कृति मनुष्य की कृति है तथा एक साधन है, जिसके द्वारा वह अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करता है।"

मैलिनोवस्की के अनुसार संस्कृति जीवन व्यतीत करने की सम्पूर्ण विधि है जो व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ती करती है।